राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • सोमवार • 7 फरवरी • 2022

जायद की फसल में खीरे की खेती कर लाभ कमाएं किसान

■ कानपुर (एसएनबी)।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के शाकभाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ.आरएन शुक्ला ने किसानों को जायद की फसल में खीरे की खेती कर अधिक लाभ कमाने का सुझाव दिया है। उन्होंने कहा कि किसान खीरे की फसल वोने में समय का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने जायद की फसल की समय से वुआई करने और खीरे की फसल अपनाकर लाभ कमाने की सलाह दी है। उनके मुताविक जायद में खीरा फसल हेतु वुआई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है।

डॉ.शुक्ला ने कहा कि खीरे की खेती कर किसान भारी मुनाफा ले सकते हैं। इसके लिए खीरे की उन्नतशील प्रजातियों का चयन करना भी जरूरी है। उन्होंने स्वर्ण पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्यानपुर हरा, पंत खीरा-1, जापानी लांग ग्रीन आदि प्रजातियों को उत्तम वताया है। उन्होंने खीरे की वुआई के लिए प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किग्रा वीज का प्रयोग करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि किसान यदि मचान विधि से खीरे की खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता अच्छी होती है, जिससे वाजार भाव अच्छा मिलता

सीएसए के शाकभाजी अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ.आरएन शुक्ला की सलाह

है। विवि के मीडिया प्रभारी डॉ.खलील खान ने वताया कि खीरे की फसल की अच्छी पैदावार के लिए उर्वरकों का प्रयोग भी आवश्यक है। दो से ढ़ाई कुंतल गोवर की कंपोस्ट खाद , 50 किग्रा नाइट्रोजन, 60 किग्रा फॉस्फोरस था 60 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टयर प्रयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि खीरे की वेहतर फसल के लिए पानी की उपलब्धता वाले खेतों का चयन करना व सावधानी पूर्वक सिंचाई करते रहना भी जरूरी है।

it and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश

पंचतत्व में विलीन हुई लता मंगेशकर... 12

बच्चों की शिक्षा के लिए खोले जाएंगे 200 टीवी... 05

जन एक्सप्रेस

लखनऊ
वर्ष: 13 | अंक: 116
मूल्य: ₹3.00/-
पेज : 12

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ | सोमवार | 07 फरवरी, 2022

खीरे की खेती कर लाभ कमाएं किसान : डॉ. आई एन शुक्ला

जन एक्सप्रेस। कानपुर नगर

जायद की फसल में खीरा की फसल अहम होती है और बाजार बेहतर मिलता है। जायद में खीरा फसल की बुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है। खीरे की खेती कर किसान भारी मुनाफा ले सकते हैं। यह बातें रविवार को सीएसए के वैज्ञानिक डॉ आईएन शुक्ला ने कही।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश में कल्याणपुर स्थित सब्जी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला ने एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि जायद की फसल की समय से किसान बुवाई करें और खीरे की फसल कर लाभ कमाने की सलाह दी। डॉक्टर शुक्ला का कहना है कि किसान फसल बोने में समय का विशेष ध्यान रखें। डाक्टर शुक्ला ने बताया कि खीरे के लिए आवश्यक है कि उन्नतशील प्रजातियों का चयन करें। जैसे- स्वर्ण पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्याणपुर हरा, पंत खीरा-1, जापानी लांग ग्रीन आदि है। उन्होंने सलाह दी है की बीज प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किलोग्राम प्रयोग होना चाहिए। डॉ शुक्ला ने बताया कि यदि किसान भाई मचान विधि से खीरे की खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता बनी रहती है जिससे बाजार भाव अच्छा मिलेगा और किसान भाई लाभन्वित होंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि खीरे की फसल से अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उर्वरकों का प्रयोग आवश्यक है। दो से ढाई क्विंटल गोबर की कंपोस्ट खाद, 50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भाई पानी उपलब्धता वाले खेतों का चयन करें तथा सावधानीपूर्वक सिंचाई करते रहना चाहिए।

खीरे की गुणवत्ता अच्छी होगी तो पैसा अच्छा मिलेगा

जायद की फसल में खीरे की खेती कर लाभ कमाएं

डी टी एन एन। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला ने किसानों से जायद की फसल की समय से बुवाई करने और खीरे की फसल अपनाकर लाभ कमाने की सलाह दी है। डॉक्टर शुक्ला का कहना है कि किसान फसल बोने में समय का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जायद में खीरा फसल हेतु बुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है। उन्होंने कहा कि खीरे की खेती से भारी मुनाफा ले सकते हैं। डॉक्टर शुक्ला ने बताया कि खीरे के लिए आवश्यक है कि उन्नतशील प्रजातियों का चयन करें। जैसे- स्वर्ण पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्याणपुर हरा,पंत खीरा- 1, जापानी लांग ग्रीन आदि हैं। उन्होंने सलाह दी है की बीज प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किलोग्राम प्रयोग होना चाहिए। डॉ शुक्ला ने बताया कि यदि किसान भाई मचान विधि से खीरे की खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता बनी रहती है जिससे बाजार भाव अच्छा मिलेगा और किसान भाई लाभान्वित होंगे।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि खीरे की फसल से अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उर्वरकों का प्रयोग आवश्यक है। 2 से ढाई कुंतल गोबर की कंपोस्ट खाद,50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भाई पानी उपलब्धता वाले खेतों का चयन करें तथा सावधानीपूर्वक सिंचाई करते रहना चाहिए।

जायद की फसल में खीरे की खेती कर लाभ कमाएं:– डॉ आई एन शुक्ला

कर्म कसौटी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में आज दिनांक 06 फरवरी 2022 को कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला ने किसानों से जायद की फसल की समय से बुवाई करने और खीरे की फसल अपनाकर लाभ कमाने की सलाह दी है। डॉक्टर शुक्ला का कहना है कि किसान फसल बोने में समय का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जायद में खीरा फसल हेतु बुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है। उन्होंने कहा कि खीरे की खेती से भारी मुनाफा ले सकते हैं। डॉक्टर शुक्ला ने बताया कि खीरे के लिए आवश्यक है कि उन्नतशील प्रजातियों का चयन करें। जैसे– स्वर्ण पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्याणपुर हरा,पंत खीरा– 1,जापानी लांग ग्रीन आदि हैं। उन्होंने सलाह दी है की बीज प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किलोग्राम प्रयोग होना चाहिए। डॉ शुक्ला ने बताया कि यदि किसान भाई मचान विधि से खीरे की

खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता बनी रहती है जिससे बाजार भाव अच्छा मिलेगा और किसान भाई लाभान्वित होंगे।विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि खीरे की फसल से अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उर्वरकों का प्रयोग आवश्यक है। 2 से ढाई कुंतल गोबर की कंपोस्ट खाद,50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भाई पानी उपलब्धता वाले खेतों का चयन करें तथा सावधानीपूर्वक सिंचाई करते रहना चाहिए।

Sign in to edit and save changes to this file.

आज महानगर कानपुर 7 फरवरी 2022 4

जायद की फसल में खीरे की खेती कर लाभ कमाएं किसान

फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक बुवाई का सर्वोत्तम समय

कानपुर, 6 फरवरी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ डी.आर. सिंह के निर्देश के क्रम में आज कल्याणपुर स्थित साकभाजी अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉक्टर आई एन शुक्ला ने किसानों से जायद की फसल की समय से बुवाई करने और खीरे की फसल अपनाकर लाभ कमाने की सलाह दी है। वैज्ञानिक का कहना है कि किसान फसल बोने में समय का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि जायद में खीरा फसल हेतु बुवाई का सर्वोत्तम समय मध्य फरवरी से मार्च के प्रथम सप्ताह तक होता है। उन्होंने कहा कि खीरे की खेती से भारी मुनाफा ले सकते हैं। डॉक्टर शुक्ला ने बताया कि खीरे के लिए आवश्यक है कि उन्नतशील प्रजातियों का चयन करें। जैसे- स्वर्ण पूसा, स्वर्ण अगेती, कल्याणपुर हरा,पंत खीरा- 1,जापानी लांग ग्रीन आदि हैं। उन्होंने सलाह दी है की बीज प्रति हेक्टेयर 2 से 3 किलोग्राम प्रयोग होना चाहिए। डॉ शुक्ला ने बताया कि यदि किसान भाई मचान विधि से खीरे की खेती करते हैं तो खीरे की गुणवत्ता बनी रहती है जिससे बाजार भाव अच्छा मिलेगा और किसान भाई लाभान्वित होंगे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि खीरे की फसल से अच्छी पैदावार प्राप्त करने के लिए उर्वरकों का प्रयोग आवश्यक है। 2 से ढाई कुंतल गोबर की कंपोस्ट खाद,50 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान भाई पानी उपलब्धता वाले खेतों का चयन करें तथा सावधानीपूर्वक सिंचाई करते रहना चाहिए।